

डॉ. अगस्त कोकेल, नीतिवचन, सत्र 21

© 2024 अगस्त कोकेल और टेड हिल्डेब्रांट

यह नीतिवचन की पुस्तक पर अपने शिक्षण में डॉ. ऑगस्ट कोकेल हैं। यह बुद्धि की स्तुति, नीतिवचन अध्याय 31:10-31 में सत्र संख्या 21 है।

नीतिवचन की पुस्तक के अंतिम भाग पर बात करने के लिए आपका स्वागत है।

इसे अक्सर गुणी स्त्री के बारे में कविता के रूप में जाना जाता है, लेकिन इसे जानबूझकर लिखा और रखा गया है, कम से कम इसे जानबूझकर नीतिवचन की पुस्तक के निष्कर्ष के रूप में रखा गया है। हालाँकि, इससे पहले कि मैं नीतिवचन के इस अंतिम खंड पर विचार करना शुरू करूँ, मैं बस इतना कहना चाहता हूँ कि यह 4 मार्च, 2022 है। यह यूक्रेन पर आक्रमण की गर्मी है।

मैं इसके प्रति बहुत-बहुत सचेत हूँ। वहीं मेरी मां का जन्म हुआ था। मैंने यूक्रेन का दौरा किया है, और मैंने यह टाई पहनी है, विशेष रूप से आज क्योंकि यह खार्किव शहर में खरीदी गई थी।

और जैसा कि हम बोल रहे हैं, खार्किव शहर पर लगातार बमबारी की गई है। मुझे अक्सर आश्चर्य होता है कि वह बाज़ार कैसा दिखता है जहाँ से मैंने यह टाई खरीदी है। उस समय यह चीन से अनगिनत संख्या में सामान लाने वाला एक विशाल बाज़ार था।

लेकिन यह टाई मुझे मेरी यूक्रेनी जड़ों के बारे में बताती है। और मैं बस इस तथ्य को नोट करना चाहता हूँ कि आज सुबह वहाँ क्या हो रहा है, इसके प्रति मैं बहुत सचेत हूँ। लेकिन आज सुबह हम जो करना चाहते हैं वह नीतिवचन अध्याय 31, श्लोक 10 से 31 में भजन में बुद्धि की स्तुति में कविता को देखना है।

अब, हमें सबसे पहले यह बताना होगा कि यह कविता वह है जिसे हम एक्रोस्टिक कहते हैं। यह संभवतः एक ऐसा शब्द है जिससे आपमें से अधिकांश लोग परिचित हैं। विभिन्न स्तोत्रों में एक्रोस्टिक का प्रयोग किया जाता है।

वास्तव में, बाइबिल का सबसे लंबा भजन, भजन 119, एक आक्रोस्टिक है। एक्रोस्टिक प्रत्येक क्रमिक पंक्ति को हिब्रू वर्णमाला के एक अक्षर से शुरू करता है। तो, पहला अक्षर एलेफ, बेट, जिमेल, डेलेट, हे, इत्यादि है।

तो, पहली पंक्ति एलेफ़ से शुरू होगी, दूसरी पंक्ति बेट से शुरू होगी, तीसरी गिमेल से, इत्यादि। अब, भजन 119 में, वास्तव में आठ छंद हैं जो वर्णमाला के प्रत्येक अक्षर से शुरू होते हैं, और इस प्रकार आपको 196 मिलते हैं क्योंकि हिब्रू वर्णमाला में 22 अक्षर हैं। तो, यदि कोई वास्तविक एक्रोस्टिक, पूर्ण एक्रोस्टिक है, तो 22 पंक्तियाँ होंगी।

हमने पावरप्वाइंट स्लाइड्स पर ध्यान दिया कि भजन 2 एक प्रकार का एक्रोस्टिक है। क्षमा करें, नीतिवचन 2 एक प्रकार का एक्रोस्टिक है क्योंकि इसमें 22 छंद हैं, और 11वीं कविता, कविता का

मध्यबिंदु, हिब्रू वर्णमाला के मध्यबिंदु से शुरू होती है, और ऐसा लगता है कि इसे जानबूझकर एक लंबे सशर्त वाक्य के रूप में संरचित किया गया है एक्रोस्टिक की पंक्तियाँ। लेकिन भजन, नीतिवचन 2, का प्रवाह बहुत सुविचारित है।

जब हम अन्य एक्रोस्टिक्स की बात करते हैं, तो वे विचारों का एक संघ होते हैं, उसी तरह जैसे हम अपनी भाषा में एक्रोस्टिक्स बनाते हैं। तो, गुणी महिला के लिए इस कविता के साथ, हम नीतिवचन की पुस्तक को समाप्त करते हैं। यह कविता स्वयं ज्ञानी महिला से स्पष्ट संबंध के कारण काफी चर्चा में आ गई है।

वास्तव में, ऐसे लोग भी हैं जो इस कविता को ज्ञान के प्रतीक के रूप में पढ़ेंगे। अब, हमने जो देखा वह यह है कि नीतिवचन की पुस्तक की शुरुआत में अध्याय 1 में ज्ञान का एक अवतार है, जहां ज्ञान सभी मानव जाति को बुलाता है। और फिर अध्याय 8 में ज्ञान का एक और स्पष्ट मानवीकरण है, जहां वह ईश्वर की साथी है और वह जो हमारे पूरे सामान्य घर, पृथ्वी और ब्रह्मांड को आदेश देने और बनाने का हिस्सा है।

और फिर उसे अध्याय 9 में बहुत विशिष्ट रूप से चित्रित किया गया है, जहां वह महान भोज की पेशकश करती है। तो यह परिचय की शुरुआत और अंत बनता है। और यह तर्कसंगत है कि नीतिवचन की पुस्तक के अंत में, अध्याय 31 में, हम फिर से महिला बुद्धि का संदर्भ देंगे।

अब, मुझे लगता है कि हमारे पास नारी बुद्धि का संकेत है, लेकिन मुझे नहीं लगता कि नीतिवचन 31 को इस तरह पढ़ा जाना चाहिए जैसे कि ये सभी ज्ञान के बारे में ही रूपक थे। इसलिए, इस चर्चा को स्पष्ट करने के लिए, मैंने यहां एक विरोधाभास की एक छोटी सी स्लाइड डाली है जो नीतिवचन की पूरी किताब में सच है। यह बुद्धिमान और मूर्ख व्यक्तियों का विरोधाभास है।

तो, हमारे पास जो है वह अमूर्त अवधारणा है, और यहीं पर मानवीकरण होता है। मूर्खता एक स्त्री है, और बुद्धि एक स्त्री है। तब हमारे पास इन व्यक्तियों का वास्तविक जीवन प्रतिनिधित्व होता है।

और इसलिए, अजीब महिला, विदेशी महिला, या कामुक महिला, उस दुनिया में एक वास्तविक व्यक्ति के रूप में मूर्खता का प्रतिनिधित्व करती है जहां आप रहते हैं और जिस व्यक्ति से आपका सामना हो सकता है। जबकि गुणी महिला वफादार और वफादार पत्नी का उदाहरण है, जिसके प्रति पति पूरी तरह से वफादार होता है और आजीवन साथी होता है, और वे परिवार बनाते हैं जहां माता-पिता बच्चों को वही मॉडल सिखाते हैं जिसका उदाहरण नीतिवचन देता है। और फिर हमारे पास मानवीकरण है, जिसके बारे में मैंने बात की है, जो केवल मूर्खता की अवधारणा नहीं है, बल्कि यह वह तरीका है जिसमें आप इस अवधारणा को व्यक्त करेंगे, जिस तरह से आप इस अवधारणा को व्यक्तिगत विशेषताएँ देंगे।

और इसलिए नीतिवचन अध्याय 9 में, वह स्त्री, मूर्खतापूर्ण, उद्दाम है, और वह ज़ोर से चिल्लाती है, और वह हर जगह सड़कों पर है, और वह लोगों को बुला रही है। अब, निःसंदेह, मूर्खता स्वयं ऐसा नहीं करती। मूर्खता ऐसी चीजें हैं जो लोग करते हैं, लेकिन इसे इस तरह के व्यक्ति के रूप में दर्शाया जाता है।

जबकि ज्ञान की अमूर्त अवधारणा का मानवीकरण महिला ज्ञान है, और वह वह है जो आपको उसी तरह एक अलग तरह की तस्वीर का उपयोग करने का निर्देश देती है जैसे आपको अपने शरीर के लिए भोजन की आवश्यकता होती है, और आप वास्तव में अच्छी तरह से तैयार होने पर इसका आनंद लेते हैं। एक विशाल हॉल में भोज. तो, लेडी विजडम का व्यक्तित्व यह है कि जीने के लिए हमें जो जानने की जरूरत है, उसे वितरित करने में, उसके पास यह महान भोज हॉल है जिसमें उसने वह सब कुछ तैयार किया है जो हमें जानने की जरूरत है। अब, गुणी महिला शब्द एक हिब्रू शब्द से आया है जिसका प्रयोग अक्सर महिलाओं या पुरुषों के लिए किया जाता है।

यह हेइल शब्द है. इसका सीधा-सा अर्थ है कोई ऐसा व्यक्ति जो मजबूत हो। अब, वे विभिन्न तरीकों से मजबूत हो सकते हैं।

वे वास्तव में शारीरिक रूप से मजबूत हो सकते हैं, लेकिन इस शब्द का उपयोग चरित्र के संदर्भ में भी किया जाता है, कि वे बहुत मजबूत नैतिक चरित्र वाले व्यक्ति हैं, या वे ऐसे व्यक्ति हैं जो आसानी से गलत काम करने के लिए प्रभावित नहीं होते हैं क्योंकि उनके पास ताकत है। नीतिवचनों में जिसे हम गुणी स्त्री कहते हैं, उसका पूरक विभिन्न भजनों में पाया जाता है, और मैंने सोचा कि इस पूरक को देखने में थोड़ा समय व्यतीत करना उचित होगा क्योंकि यह भजनों में पाया जाता है क्योंकि यह केवल नीतिवचन में है जहां ज्ञान को एक महिला के रूप में व्यक्त किया गया है, जिससे हमें एक मजबूत महिला का वास्तविक वर्णन मिलता है, हालांकि बाइबिल में कई महिलाएं हैं जिन्हें हेइल कहा जाता है। वे ऐसे लोग हैं जो मजबूत हैं, और वास्तव में, कुछ किताबें जो मैंने लिखी हैं, जहां मैंने अपनी पत्नी को समर्पित की है, मैंने अपनी पत्नी का वर्णन करने के लिए हिब्रू शब्द हेइल का उपयोग किया है, क्योंकि मुझे लगता है कि यह सबसे अधिक प्रशंसात्मक है आप किसी भी व्यक्ति के बारे में कुछ भी कह सकते हैं।

भजन अध्याय एक विशेष रूप से किसी पुरुष या महिला के बारे में नहीं है। यह वास्तव में एक व्यक्ति के बारे में है, हालांकि हिब्रू भाषा में, और अधिकांश अनुवादों में, ऐसा प्रतीत होता है मानो वह पुरुष हो। धन्य है वह आदमी, लेकिन वह सामान्य है।

यह समावेशी है. धन्य है वह व्यक्ति. जो व्यक्ति मजबूत है, हेयिल का व्यक्ति, उसे इस दूसरे शब्द से आसानी से पहचाना जा सकता है जिसे हम कई बार संदर्भित कर चुके हैं।

धन्य है वह व्यक्ति जिसके पास बुद्धि है। वे जीवन के वृक्ष की तरह हैं, जो नीतिवचन अध्याय तीन में हमारे पास था। तो, भजन एक इस तरह से शुरू होता है।

इसकी शुरुआत धन्य शब्द से होती है. जैसा कि हमने पहले यहां अपने व्याख्यानों में नोट किया है, और क्या चीज़ इस व्यक्ति को मजबूत बनाती है? खैर, ये उनका मन है. उनके मन में यही हुआ है.

यह कुछ ऐसा है जो नीतिवचन की विशेषता है। बुद्धि क्या है? यह एक प्रयास है. इसमें काम लगता है.

इसमें सीखने की आवश्यकता होती है, और आपको जीवन भर अपनी सारी ऊर्जा इसमें लगानी होती है, क्योंकि जीवन हमेशा आपके लिए नई परिस्थितियाँ पेश करता है, और आपको हमेशा यह सीखने की ज़रूरत होती है कि उन गुणों और मूल्यों और गुणों का उपयोग कैसे करें जो सच्चे हैं ज्ञान का। दूसरी बात जो भजन अध्याय एक के लिए सच है, वह न केवल यह है कि यह निर्देश या टोरा उनके दिमाग में अंतर्निहित है और वे इसके बारे में सोचते हैं, बल्कि यह दिन-रात उनके दिमाग को नियंत्रित करता है, दूसरे शब्दों में, उनके जीवन के हर कदम पर, परन्तु फिर वे उस वृक्ष के समान हो जाते हैं, जो जलधारा से सिंचित होता है, और इसलिये सदैव अपना फल देता है। और यह वही बात है जो नीतिवचन ने धार्मिकता के बारे में, ज्ञान के बारे में बार-बार कहा है।

नीतिवचन 3 में, बुद्धि जीवन का वृक्ष है। नीतिवचन 11, श्लोक 30 या इसके समान, हमने ज्ञान को जीवन के वृक्ष के रूप में देखा, जो अपना फल देता है, और जो आत्माओं को पकड़ लेता है वह बुद्धिमान है, उस श्लोक के टिंडेल संस्करण का उपयोग करने के लिए। दूसरे शब्दों में, इस चरित्र के व्यक्ति का बहुत ही सकारात्मक प्रभाव होता है और वह एक अच्छी विरासत बनाता है जिसे उसके आस-पास के सभी लोग महसूस करते हैं।

तो, यह एक सामान्य परिचय है जो हमारे पास भजन अध्याय एक में है, लेकिन हम आगे भजन अध्याय 15 तक जा सकते हैं, जहां हमारे पास इस तरह के चरित्र का अधिक विशेष रूप से वर्णन है। यह कौन सा फल है जो जीवन के वृक्ष का है? और यदि हम भजन अध्याय 15 के श्लोक 2 और 4 में जाएं, तो आप देखेंगे कि यह ईमानदार व्यक्ति है, कि वे भरोसेमंद हैं, कि वे प्रभु का भय जानते हैं, और निस्संदेह, यही ज्ञान का मंत्र है, और नीतिवचन की पुस्तक का मंत्र। और फिर, नकारात्मक पक्ष पर, पड़ोसी के खिलाफ कोई बदनामी या तिरस्कार नहीं है, कोई वित्तीय दुर्व्यवहार नहीं है।

बेशक, भजन 15 वास्तव में क्या कहता है, मैं इसकी व्याख्या कर रहा हूं, लेकिन मैं आपको उस भजन पर वापस जाने और उस प्रकार के व्यक्ति को देखने के लिए आमंत्रित करता हूं जिसके पास यह गुणी या मजबूत चरित्र है। वे जानते हैं कि प्रभु का भय क्या है। लेकिन सबसे विशेष रूप से, मैं भजन 111 और भजन 112 के समानांतर कहना चाहता हूं, क्योंकि भजन 112 एक आक्रोशिक है जो नीतिवचन अध्याय 31 में गुणी महिला के बारे में हमारे पास जो कुछ है उसके लगभग एक सटीक समानांतर है।

तो, भजन 111 में, हमारे पास जो कुछ है वह उस व्यक्ति का एक प्रतीक है जो ईश्वर की स्तुति करता है। यही वह है जो जानता है कि प्रभु का भय क्या है। और यहां प्रशंसा के लिए शब्द धन्य शब्द है, लेकिन यह अशेरा नहीं है, यह बराक शब्द है, जिसका अर्थ है कि यह व्यक्ति भगवान को सम्मान और महिमा देता है।

और फिर भजन 112 इस बात का चरित्र विवरण देता है कि किस प्रकार का व्यक्ति ऐसा करता है, और बदले में यही वह व्यक्ति होता है जिसे भगवान द्वारा प्रशंसा या आशीर्वाद दिया जाता है। अब, यदि आप भजन 112 में बताए गए गुणों की तुलना नीतिवचन 31, 10-31 के गुणों से करते हैं, तो यहां समानताएं स्पष्ट हो जाती हैं। एक मजबूत व्यक्ति क्या है? खैर, यह वह व्यक्ति है जो

मानवीय रिश्तों को समझता है, एक ऐसा व्यक्ति है जो समझता है कि ईश्वर पर कैसे भरोसा करना है और ईश्वर के प्रति समर्पित होना है।

ये मौलिक हैं, और ये उन चीजों में निहित हैं जिन्हें न्याय, धार्मिकता और समता के रूप में वर्णित किया गया है। तीन शब्द जो ज्ञान का सारांश देते हैं, जैसा कि हमारे पास नीतिवचन 1 में है, ई xordium से नीतिवचन में, और फिर नीतिवचन 2 में, तब आपके पास बुद्धि होगी और आपके पास धार्मिकता, न्याय और समानता होगी। अब, आप इन्हें वास्तव में कैसे प्रकट होते देखते हैं? ठीक है, आप इन्हें सामान्य दैनिक गतिविधियों में प्रकट होते हुए देखते हैं, जो कि नीतिवचन 31, 10-31 के बारे में है।

यह सब उन गतिविधियों के बारे में है जो किसी ऐसे व्यक्ति पर कब्जा करेंगी जो अपने आसपास के लोगों के लिए जिम्मेदार है। इज़राइली संस्कृति में लगभग हर महिला के मामले में, वह अपने पति के प्रति जिम्मेदार होगी, अपने परिवार के प्रति जिम्मेदार होगी, उनके भोजन की तैयारी में, सबसे सामान्य चीजों में उनके जीवन और कल्याण के लिए प्रावधान करने के लिए जिम्मेदार होगी। उनके कपड़े पहनना, जिसके लिए अन्य प्रकार की गतिविधियों की आवश्यकता होगी, जैसे उसे किसी खेत के बारे में सोचना होगा और उसे खरीदना होगा। उसे ऐसे उत्पाद बनाने पड़ सकते हैं जिन्हें वह व्यापारियों को बेचती है ताकि उसके पास कुछ संसाधन हों।

ये सभी बातें उस प्रकार के उदाहरण हैं जो यहां नीतिवचन 31 में गुणी स्त्री के लिए दिए गए हैं। यह ताकतवर महिला कोई रानी नहीं है जो महल में है जिसका काम राजा का प्रतिनिधित्व करने के लिए राजा की पत्नी बनना है उनके विभिन्न प्रकार के रूप। इसका उससे कोई लेना देना नहीं है।

यह एक वास्तविक व्यक्ति है, उस तरह का व्यक्ति जिससे आप हर दिन मिलते हैं, लेकिन उससे भी अधिक, सबसे बढ़कर, उस तरह का व्यक्ति जिसे आप हर संभव तरीके से बनने का प्रयास करना चाहते हैं। बेशक, इसका मतलब यह नहीं है कि आप एक आदर्श व्यक्ति हैं, लेकिन इसका मतलब यह है कि आप एक बहुत ही सक्षम व्यक्ति हैं, और इसका मतलब यह है कि आप एक बहुत ही जिम्मेदार व्यक्ति हैं। अब, यह प्रतिनिधि महिला जो नीतिवचन 31 में हमारे पास है, वह अपने पति के प्रति वफादार है।

उसका पति उसकी प्रशंसा करता है और बदले में, उसका पति एक प्रतिष्ठित व्यक्ति है जो जानता है कि नेतृत्व कैसे करना है। वह द्वार पर बैठता है और मतभेदों को सुलझाने में मदद करता है, न्याय के लिए लाए गए मामलों और इस तरह की सभी चीजों से निपटता है। यह एक आदर्श है जिसका उदाहरण दिया जाता है।

यह हममें से हर किसी के लिए सच नहीं होगा, लेकिन हम सभी इस प्रकार की चीजें करते हैं। यदि हम माता-पिता हैं, तो कभी-कभी हम अपने बच्चों के बीच उत्पन्न होने वाले झगड़ों के बीच निर्णायक होते हैं। यह कोई अलग नहीं है।

यह बस एक अलग परिस्थिति और एक अलग तरह की स्थिति है। तो, हम सभी को ये चीजें बनना होगा। यह सिर्फ हममें से कुछ लोग नहीं हैं।

तो, सिर्फ इसलिए कि नीतिवचन 31 कहता है, ठीक है, उसका पति द्वार पर न्याय कर रहा है, ठीक है, शायद हमारे अधिकांश मामलों में, उसका पति पिता है, और वह जिम्मेदार है और जानता है कि अपने पड़ोसियों के साथ कैसे मेल-मिलाप करना है या वह जानता है कि उसे कैसे बनाए रखना है परिवार में एक-दूसरे के साथ सामंजस्य, इस तरह की चीजें। और उसकी पत्नी मेहनती महिला है, और प्राचीन इज़राइल में, शायद हर महिला ने स्पिन किया था, लेकिन निश्चित रूप से इसने किया था। वह घूमने वाली छड़ी और डिस्टाफ़ लेती है, जिससे आप ऊन खींचते हैं और जिस पर आप ऊन को लपेटते हैं जब वह धागा बन जाता है, और यही वह करती है, बहुत ही सामान्य कार्य।

अब, तुलना यहाँ बुद्धि से है। नीतिवचन 8 में, बुद्धि वह साधन है जिसके द्वारा ईश्वर सारी सृष्टि का क्रम निर्धारित करता है। यह वही है जो भगवान हमारे जीवन के लिए निर्धारित करते हैं और हमें लोगों के रूप में कैसे रहना चाहिए।

यह वही है जो हम उत्पत्ति अध्याय 2 में पढ़ते हैं, परमेश्वर ने नर और नारी की सृष्टि की, और मनुष्य अपने पिता को छोड़कर अपनी पत्नी से मिला रहेगा, और वे भी एक हो जाएंगे। और इस प्रकार आप अपने पिता और माता को छोड़ देते हैं और एक नई सामाजिक इकाई का निर्माण करते हैं, यह अपरिहार्य वास्तविकता है कि बच्चों और परिवारों के लिए सबसे अच्छा क्या है, इसके बावजूद, अपवाद भी हो सकते हैं। मेरा एक अकेला भाई है, उसने कभी शादी नहीं की, लेकिन मैं आपको बता दूँ, वह अकेला भाई परिवार और हमारे परिवार का हिस्सा है।

मैं एक बार कभी नहीं भूलूंगा जब मैं उस क्षेत्र में प्रचार कर रहा था जहाँ से मैं आता हूँ, जो कि यॉर्कटन, सस्केचेवान है, और मेरा भाई चर्च आया था, मुझे नहीं पता कि उसके सभी दोस्त और उसके परिवार कौन थे। मुझे बस इतना याद है कि मैंने अपने एकल भाई को बेंच के बीच में, पूरी मंडली के बीच में और बच्चों से भरी एक बेंच में देखा था। मैं नहीं जानता कि ये बच्चे कौन थे, लेकिन वे उसके ऊपर रेंग रहे थे, और वह उनके पिता और उनके चाचा की तरह था।

और मैं जानता था कि यह सच है क्योंकि उसका फार्म हमेशा बच्चों से भरा रहता था जो आधी गर्मियों तक वहीं रहते थे। वह बस लोगों के परिवारों में घुल-मिल गया था, वह ऐसा ही था। मैं जानता हूँ कि एकल लोगों के लिए बहुत अकेलापन हो सकता है, और कभी-कभी यह हममें से बाकी सभी की समस्या है।

लेकिन तथ्य यह है कि, मानवीय व्यवस्था में, जिस तरह से भगवान ने चीजों को संचालित करने के लिए बनाया है, हम परिवार हैं, और इसी तरह हम भगवान का प्रतिनिधित्व करते हैं। आप जानते हैं, जब परमेश्वर ने कहा कि हमें उसकी छवि बनना है और सारी सृष्टि पर प्रभुत्व रखना है, तो यह स्पष्ट था कि हम पुरुष और महिला के रूप में ऐसा करते हैं। दूसरे शब्दों में, हम इसे व्यक्तियों के रूप में नहीं करते हैं, बल्कि हम इसे सामूहिक रूप से लोगों के रूप में करते हैं।

हम लोगों के रूप में उसकी दुनिया में भगवान का प्रतिनिधित्व करते हैं। और इसलिए नीतिवचन 31 की यह कविता इसका उदाहरण प्रस्तुत करती है। यह उस तरीके का उदाहरण देता है

जिसमें हम लोगों के रूप में, यदि हम ज्ञान जानते हैं, तो दुनिया में भगवान का प्रतिनिधित्व करेंगे और जानेंगे।

और इसलिए, नीतिवचन 31 में यह महिला राजा लमूएल की माँ की तरह है। वह हर उस चीज़ का आदर्श है जो एक महिला करती है। वह मेहनती है और अपने घर को बहुत अच्छे से नियंत्रित करती है।

तो, नीतिवचन की पुस्तक के अंत में इसका क्या कार्य है? खैर, जैसा कि मैंने पहले ही सुझाव दिया है, यह बहुत जानबूझकर किया गया है क्योंकि यह एक महिला के रूप में ज्ञान का चित्रण कर रहा है। और यह बहुत जानबूझकर उन सभी बातों का उदाहरण देता है जो उन नीतिवचनों के बारे में कही गई हैं जिनका हम अध्ययन कर रहे हैं। यह सत्ता और नियंत्रण की खोज से बिल्कुल विपरीत है, धन की खोज से बिल्कुल विपरीत है, व्यक्तिगत स्वतंत्रता की खोज से बिल्कुल विपरीत है।

तुम्हें पता है, यही वह चीज़ है जो मुझे सबसे ज्यादा परेशान करती है। हमारे पश्चिमी समाज में, यहाँ जहाँ मैं कनाडा में रहता हूँ, हम व्यक्तिगत अधिकारों पर इतने केंद्रित हैं। और यह वास्तव में इस भावना की ओर ले जाता है कि मुझे एक व्यक्तिगत, स्वतंत्र व्यक्ति के रूप में अपना रास्ता खोजने की जरूरत है।

यही वास्तव में मायने रखता है। और निःसंदेह, यह बिल्कुल ग़लत है। हम अभी-अभी दुनिया भर में एक महामारी से गुज़रे हैं।

शायद हम अभी तक इससे भी नहीं गुज़रे हैं। और अगर एक बात स्पष्ट है तो वह यह है कि हम कितने परस्पर निर्भर हैं। हमारे पास वह था जिसे हम आवश्यक सेवाएँ कहते थे।

क्यों? क्योंकि अगर कोई इसे संयुक्त राज्य अमेरिका से सीमा पार नहीं ले जाता, जहाँ वे इसे सर्दियों के समय में उगाते हैं, तो मेरे पास खाने के लिए भोजन नहीं होता। हम सभी स्वतंत्र हैं, और अन्योन्याश्रित हैं। तो, यह इसी का उदाहरण है।

लेकिन हमारी सबसे बड़ी परस्पर निर्भरता हमारे आंतरिक संसार, परिवारों और हमारे अपने व्यक्तिगत संबंधों में है। तो, यह निश्चित रूप से लेडी विजडम के व्यक्तित्व के वास्तविक जीवन के उदाहरण को दर्शाता है जिसे नीतिवचन की शुरुआत में और अध्याय 9 में परिचय में पेश किया गया है। इसलिए, जब आप नीतिवचन के इस निष्कर्ष को पढ़ते हैं, तो इसे एक तरीके के रूप में पढ़ें एक व्यक्ति में उन सभी प्रकार की चीज़ों का एक उदाहरण जो आपने एक बुद्धिमान व्यक्ति के रूप में सीखी हैं, उस शिक्षक को सुनकर जिसने हमारे लिए ये सभी चीज़ें लिखी हैं जो हम सीख सकते हैं। न्याय, धर्म, समता, और प्रभु का भय मानना सीखो।

यह नीतिवचन की पुस्तक पर अपने शिक्षण में डॉ. ऑगस्ट कोंकेल हैं। यह बुद्धि की स्तुति, नीतिवचन अध्याय 31:10-31 में सत्र संख्या 21 है।